Daily Current Affairs

Date : 10 April, 2026

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	प्रथम 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स – 2026' में राजस्थान
2.	राष्ट्रीय पोषण अभियान के अंन्तर्गत 'अष्टम पोषण पखवाड़ा'
3.	WZCC की 'युवा प्रतिभा सम्मान प्रतियोगिता'
4.	जवाहर कला केन्द्र (JKK) का 33वाँ स्थापना दिवस
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. अरुंधति चौधरी : एशियन बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक 2. 'ग्लैम ऑफ बॉलीवुड' पोस्टर का विमोचन 3. डॉ. ज्योति किरण शुक्ला 4. सिंधी भाषा दिवस पर आयोजित समारोह में राजस्थान का प्रतिनिधित्व 5. रूस में लोक देवता 'वीर तेजाजी' पर आधारित पेंटिंग का प्रदर्शन
6.	जलविद्युत परियोजनाएँ
7.	विश्व होम्योपैथी दिवस, 2026
8.	ऑपरेशन हिम सेतु
9.	8वाँ पोषण पखवाड़ा, 2026
10.	इलेक्रमा, 2027
11.	भारत, संयुक्त राष्ट्र के चार चुनावों में निर्विरोध निर्वाचित
12.	देश का कच्चा इस्पात उत्पादन
13.	स्किल आउटकम फण्ड (SOF)
14.	खनिज रियायत नियमों में संशोधन
15.	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग
16.	पश्चिमी समर्पित माल-ढुलाई गलियारा (WDFC)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

17.	भारत की वृद्धि दर का अनुमान : IMF
18.	मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC)
19.	राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त और विकास निगम (NSTFDC): 25 वाँ स्थापना दिवस
20.	पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (NBS) योजना
21.	प्रोजेक्ट मेवेन (Project Maven)
22.	OPEC+
23.	सुंदरबन
24.	हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFCs)
25.	भारत का सौर ऊर्जा उत्पादन
26.	पार्टनरशिप फॉर हेल्दी सिटीज (PHC) शिखर सम्मेलन, 2026
27.	न्यूरोमॉर्फिक सेंसर/नमी संवेदनशील सेंसर
28.	तापमान-नियंत्रित नैनो-सामग्रियाँ
29.	भारत में भूमि असमानता पर रिपोर्ट
30.	बॉरोअर्स टू बिल्डर्स: वीमेन एंड इंडियाज इवॉल्विंग क्रेडिट मार्केट रिपोर्ट

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

प्रथम 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स – 2026' में राजस्थान

चर्चा में क्यों?

- छत्तीसगढ़ में आयोजित 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स – 2026' में राजस्थान ने 3 रजत और 2 कांस्य सहित कुल 5 पदक जीते।

मुख्य बिन्दु:

- पदक तालिका में राजस्थान का स्थान : 22वाँ।

  राजस्थान के पदक विजेता :

क्रम	खिलाड़ी	खेल	भार वर्ग	पदक
1.	अमित कुमार मीणा	कुश्ती	125 किग्रा	रजत पदक।
2.	राकेश कुमार मीणा	कुश्ती	65 किग्रा	रजत पदक।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

3.	दिनेश सोलंकी	कुश्ती	60 किग्रा वर्ग	रजत पदक।
4.	बलकेश कुमारी मीणा	कुश्ती	68 किग्रा (महिला वर्ग)	कांस्य पदक।
5.	जगदीश मीणा	एथलेटिक्स (200 मीटर रनिंग)	-	कांस्य पदक।

- **नोट :** खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स – 2026 के लिए राजस्थान का सलेक्शन ट्रायल (चयन स्पर्धा) डूँगरपुर और उदयपुर में आयोजित किया गया।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- **मेजबान राज्य :** छत्तीसगढ़ (रायपुर, जगदलपुर और सरगुजा में)।
- **आयोजन :** 25 मार्च से 3 अप्रैल, 2026।
- **शुभंकर (Mascot) :** 'मोरवीर' (वीरता और गौरव का प्रतीक)।
- **पदक तालिका में प्रथम स्थान :** कर्नाटक (23 स्वर्ण, 8 रजत और 7 कांस्य सहित कुल 38 पदक)
- **कुल खेल (7) :** तीरंदाजी (Archery), एथलेटिक्स, भारोत्तोलन, फुटबॉल, हॉकी, कुश्ती (Wrestling) और तैराकी (Swimming)।
- इसके अतिरिक्त, मलखंब और कबड्डी को प्रदर्शन खेलों (demonstration sports) के रूप में शामिल किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय पोषण अभियान के अंन्तर्गत 'अष्टम पोषण पखवाड़ा'

चर्चा में क्यों?

- 9 अप्रैल, 2026 को नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी द्वारा राष्ट्रीय पोषण अभियान के तहत 'अष्टम पोषण पखवाड़ा – 2026' का शुभारंभ किया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- **राजस्थान में संचालन :** महिला एवं बाल विकास विभाग।
- **आयोजन अवधि :** 9 से 23 अप्रैल, 2026 तक।
- **थीम :** "जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना" (Maximizing Brain Development in the First Six Years of Life)।

पोषण प्रयासों में राजस्थान का प्रदर्शन :

- **राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा :** प्रथम स्थान।
- **राष्ट्रीय पोषण माह :** द्वितीय स्थान।
- **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना मासिक रैंकिंग :** प्रथम स्थान।

कुपोषण के निराकरण हेतु राज्य में संचालित प्रमुख अभियान :

- पूरक पोषाहार कार्यक्रम (6 माह से 6 वर्ष के बच्चों, गर्भवती, धात्री महिलाओं हेतु)
- मुख्यमंत्री सुपोषण न्यूट्री किट योजना (गर्भवती महिलाओं के लिए)
- मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना (3 से 6 आयु वर्ग के बच्चों के लिए)
- दुग्धयुक्त बालाहार (अति गंभीर कुपोषित बच्चों के लिए)
- पोषण अभियान तथा जिम्मेदार पुरुष अभियान (जन जागरूकता के लिए)
- AMMA कार्यक्रम (समुदाय आधारित कुपोषण प्रबंधन हेतु)

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

WZCC की 'युवा प्रतिभा सम्मान प्रतियोगिता'

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर द्वारा 18 से 30 वर्ष के युवा कलाकारों के लिए 'राज्य स्तरीय युवा प्रतिभा सम्मान प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- यह प्रतियोगिता लोक गायन, नृत्य, वाद्य वादन और लोकनाट्य आदि श्रेणियों में आयोजित की गई।
- सभी विजेता प्रतिभागियों को ₹10,000 पुरस्कार राशि तथा प्रमाण पत्र प्रदान किये गए।

पुरस्कार विजेता :

क्रम	श्रेणी	विजेता	ज़िला
1.	लोक नृत्य	तारा कुमारी कामड़	पाली
2.	लोक गायन	शेर मोहम्मद	बाड़मेर
3.	लोक वाद्य वादन	फिरोज खान मांगणियार	बाड़मेर
4	लोकनाट्य	लोकेश कुमार	उदयपुर

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर):

- **स्थापना :** 1985 से 1987 के मध्य।
- **अध्यक्ष :** राजस्थान के राज्यपाल।
- **मुख्यालय :** बागोर की हवेली, उदयपुर।
- **उद्देश्य :** प्रदर्शन कला, दृश्य कला, लोक कला, पारंपरिक कला और आदिवासी कला के माध्यम से पश्चिमी भारत की सांस्कृतिक विविधता को संरक्षित करना।
- पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र 'शिल्पग्राम' स्थापित करने वाला भारत का पहला केंद्र था।
- इस केंद्र द्वारा प्रति वर्ष दिसंबर माह के अंतिम सप्ताह में उदयपुर के शिल्पग्राम में 'शिल्पग्राम उत्सव' का आयोजन किया जाता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

जवाहर कला केन्द्र (JKK) का 33वाँ स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों?

- जवाहर कला केन्द्र (JKK) के 33वें स्थापना दिवस के अवसर पर राजस्थान कला एवं संस्कृति विभाग और JKK द्वारा संयुक्त रूप से 8 से 10 अप्रैल, 2026 तक विभिन्न कलात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **स्थापना :** वर्ष 1993 में।
- **वास्तुकार :** चार्ल्स कॉरिया (नवग्रह डिज़ाइन का उपयोग)
- **उद्देश्य :** राजस्थान की कला, शिल्प, संगीत और नृत्य को प्रोत्साहित करना। साथ ही, कला और संस्कृति के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना और लोगों को इन्हें समझने का अवसर प्रदान करना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **बनावट :** जवाहर कला केंद्र में तीन थिएटर हैं। खुला थिएटर 400 लोगों की क्षमता वाला है और यह नाटकों के अभ्यास के लिए उपयुक्त स्थान है। साथ ही, 'रंगयान' और 'कृष्णयान' नामक दो बंद थिएटर हैं, जहाँ सामाजिक मुद्दों पर आधारित नाटकों का मंचन होता है।
- **पुस्तकालय :** इसका डिज़ाइन ग्रह के आकार में किया गया है, जिसमें 14,000 से अधिक पुस्तकें रखी गई हैं। पुस्तकालय भवन को 'संदर्भ' भी कहा जाता है।
- **शिल्पग्राम :** JKK की मुख्य इमारत से सटा हुआ 9.5 एकड़ के परिसर में फैला एक ग्रामीण परिसर है, जिसे 'शिल्पग्राम' के नाम से जाना जाता है। यह परिसर मेलों, हाट-बाज़ारों और उत्सवों के आयोजन का स्थल है। इसमें छह झोपड़ियाँ हैं, जो ब्रज (भरतपुर), हाड़ौती (कोटा), आदिवासी (डूंगरपुर), मरुस्थल (बाड़मेर और बीकानेर), शेखावाटी (सीकर) और मध्य क्षेत्र (जयपुर) का प्रतिनिधित्व करती हैं।

UTKARSH CIVIL SERVICES

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**अरुंधति चौधरी : एशियन बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक** ■ कोटा निवासी मुक्केबाज अरुंधति चौधरी ने मंगोलिया के उलानबटोर में आयोजित एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप - 2026 में स्वर्ण पदक जीता। ■ फाइनल मैच में अरुंधति ने कजाकिस्तान की शीर्ष मुक्केबाज बख्तियत सेदिश को हराया। ■ भार वर्ग : 70 किलोग्राम। ■ अरुंधति ने वर्ष 2025 में नोएडा में आयोजित वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में भी गोल्ड मेडल जीता था। वर्ल्ड और एशियन बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल जीतने वाली अरुंधति राजस्थान की पहली बॉक्सर है।
2.	**'ग्लैम ऑफ बॉलीवुड' पोस्टर का विमोचन** ■ राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हाल ही में 'ग्लैम ऑफ बॉलीवुड' पोस्टर का विमोचन किया। ■ ग्लैम ऑफ बॉलीवुड शो के माध्यम से पारंपरिक राजस्थानी संस्कृति को ग्लैमरस मंच दिया जाएगा। ■ इस शो का मुख्य उद्देश्य राजस्थान की संस्कृति को देश-विदेश तक पहुँचाना है।
3.	**डॉ. ज्योति किरण शुक्ला** ■ हाल ही में, पांचवें राजस्थान राज्य वित्त आयोग की अध्यक्ष डॉ. ज्योति किरण शुक्ला ने ब्राजील के साओ पाउलो में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (SVCC) के निदेशक के रूप में अपना कार्यकाल पूरा किया। ■ डॉ. ज्योति किरण शुक्ला एक स्तंभकार (Columnist) और लेखिका हैं, जिन्होंने अर्थशास्त्र और विकास नीति पर 4 पुस्तकें और 100 से अधिक शोध पत्र लिखे हैं। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'अंत्योदय' ग्रामीण विकास पर आधारित है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

4.	**सिंधी भाषा दिवस पर आयोजित समारोह में राजस्थान का प्रतिनिधित्व** ■ **10 अप्रैल, 2026 को सिंधी भाषा दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राज्य का प्रतिनिधित्व किया।** ■ **इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने भारतीय संविधान के सिंधी भाषा अनुवाद (देवनागरी और फारसी लिपियों में) का विमोचन किया।**
5.	**रूस में लोक देवता 'वीर तेजाजी' पर आधारित पेंटिंग का प्रदर्शन** ■ **रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी में राजस्थान के लोक देवता वीर तेजाजी पर आधारित पेंटिंग को प्रदर्शित किया गया।** ■ **चित्रकार : महेश गुर्जर (जयपुर)।** ■ **आयोजन स्थल : सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजीज एंड डिजाइन के 'इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड फाइन आर्ट्स'।**

UTKARSH CIVIL SERVICES

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

जलविद्युत परियोजनाएँ

मुख्य बिन्दु:

- प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने अरुणाचल प्रदेश में कलाई-II और कमला जलविद्युत परियोजना के निर्माण हेतु निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी है।
- **कलाई-II HEP:** यह लोहित नदी पर प्रस्तावित है। लोहित, ब्रह्मपुत्र की एक प्रमुख सहायक नदी है। यह पूर्वी तिब्बत में उत्पन्न होती है और अरुणाचल प्रदेश से होकर असम में बहती है।
- **कमला HEP:** यह कमला नदी पर स्थित है, जो सुबनसिरी नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विश्व होम्योपैथी दिवस, 2026

चर्चा में क्यों?

- 10 अप्रैल, 2026 को आयुष मंत्रालय ने विज्ञान भवन में विश्व होम्योपैथी दिवस-2026 मनाया।

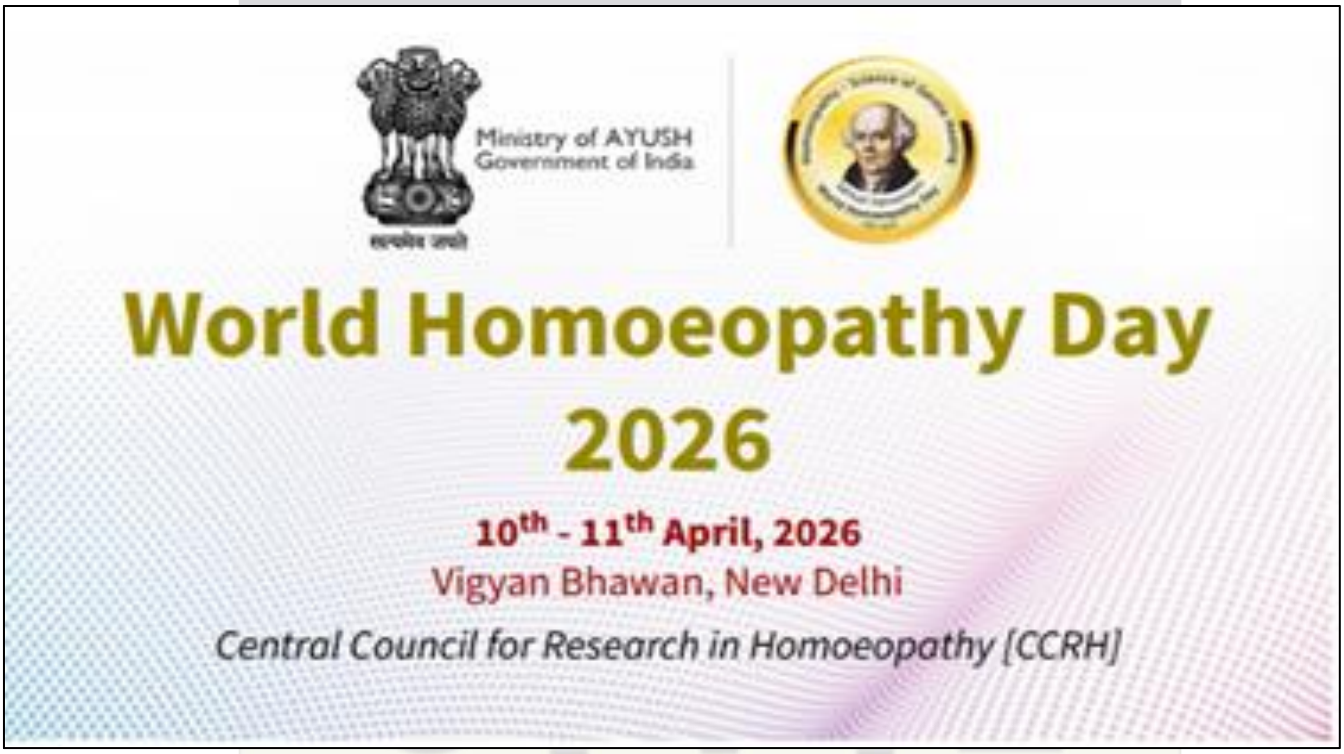

मुख्य बिन्दु:

- **संगोष्ठी:** इस अवसर पर “सतत् स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी” विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जो अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण पर सतत् विकास लक्ष्य-3 (SDG-3) जैसी वैश्विक प्राथमिकताओं के अनुरूप है।
- **होम्योपैथी दिवस का इतिहास:** सैमुअल हैनिमैन (1755-1843) एक जर्मन चिकित्सक थे, जिन्होंने 18वीं सदी के अंत में होम्योपैथी की स्थापना की थी। उनकी महत्त्वपूर्ण कृति, 'ऑर्गनॉन ऑफ़ मेडिसिन' हैं तथा प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को होम्योपैथी के जनक डॉ. सैमुएल हैनीमैन की जयंती पर 'विश्व होम्योपैथी दिवस' आयोजित किया जाता हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **विश्व होम्योपैथी दिवस, 2026 की थीम:** "सतत स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी"।
- **'होम्योपैथी' शब्द:** दो ग्रीक शब्दों 'होमोइस' (समान) और 'पैथोस' (पीड़ा) से बना है।
- **होम्योपैथी के बुनियादी सिद्धांत:** "दर्द ही दवा बन जाता है", "कम से कम खुराक" का नियम और 'व्यक्ति आधारित दृष्टिकोण' हैं।
- **भारत में होम्योपैथी का इतिहास:** भारत विश्व के सबसे बड़े होम्योपैथी कार्यबल वाले देशों में से एक है।
- भारत में होम्योपैथी की शुरुआत 19वीं सदी की शुरुआत में हुई, जिसने इसके धीरे-धीरे विस्तार की नींव रखी। लगभग 1810 में, सैमुअल हैनिमैन के एक शिष्य, जॉन मार्टिन होनिगबर्गर ने भारत में इसका अभ्यास शुरू किया।
- इन्होंने वर्ष 1839 में महाराजा रणजीत सिंह का सफल इलाज किया।
- वर्ष 1847 में तमिलनाडु के तंजौर में सबसे शुरुआती होम्योपैथिक अस्पतालों में से एक की स्थापना हुई।
- बंगाल में चिकित्सक और समाजसेवी राजेंद्र लाल दत्ता द्वारा इसका ज़ोरदार प्रचार किया गया तथा चिकित्सक महेंद्र लाल सरकार का समर्थन मिला।

स्वतंत्रता के बाद के घटनाक्रम:

- **वर्ष 1973:** केंद्रीय होम्योपैथी परिषद की स्थापना
- **वर्ष 1978:** केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद की स्थापना
- **राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (NCH):** NCH की स्थापना राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग अधिनियम, 2020 के तहत् की गई थी, जो 5 जुलाई, 2021 को लागू हुआ। इसके साथ ही, होम्योपैथी केंद्रीय परिषद अधिनियम, 1973 के तहत् गठित 'बोर्ड ऑफ़ गवर्नर्स' और 'केंद्रीय होम्योपैथी परिषद' को भंग कर दिया गया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

ऑपरेशन हिम सेतु

मुख्य बिन्दु:

- **अप्रैल, 2026 में उत्तरी सिक्किम में लाचेन और चुंगथांग के बीच भूस्खलन के कारण फंसे सभी पर्यटकों को बचाने के लिए भारतीय सेना के त्रिशक्ति कोर द्वारा राहत और बचाव अभियान "ऑपरेशन हिम सेतु" संचालित किया गया।**

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

8वाँ पोषण पखवाड़ा, 2026

चर्चा में क्यों?

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा 9 से 23 अप्रैल 2026 तक 8वें पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- प्रारंभिक बचपन विशेष रूप से पहले 1,000 दिन मस्तिष्क के विकास, शारीरिक विकास और समग्र स्वास्थ्य के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।
- वैज्ञानिक प्रमाण बताते हैं कि मस्तिष्क का 85% से अधिक विकास छह वर्ष की आयु तक हो जाता है, जो इष्टतम पोषण, संवेदनशील देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा के महत्त्व को रेखांकित करता है।
- **शुभारंभ:** 9 अप्रैल, 2026 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी द्वारा शुभारंभ किया गया।
- **नोडल मंत्रालय:** महिला एवं बाल विकास मंत्रालय।
- **उद्देश्य:** आँगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों के सही पोषण, पोषण पंचायत, खेल-आधारित शिक्षा और कम स्क्रीन टाइम के बारे में जागरूक करना।
- **कार्यान्वयन:** पखवाड़े के दौरान, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आँगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।
- **पोषण पखवाड़ा, 2026 का विषय:** "जीवन के पहले छह वर्षों में मस्तिष्क के विकास को अधिकतम करना"।
- **इस वर्ष की थीम के अंतर्गत प्रमुख फोकस क्षेत्र निम्नलिखित हैं:**
  1. **मातृ एवं शिशु पोषण:** गर्भावस्था के दौरान इष्टतम पोषण को बढ़ावा देना, केवल स्तनपान कराना और आयु के अनुसार पूरक आहार प्रदान करना।
  2. **मस्तिष्क के विकास के लिए प्रारंभिक प्रोत्साहन (0-3 वर्ष):** प्रतिक्रियाशील देखभाल और प्रारंभिक सीखने की बातचीत को प्रोत्साहित करना।
  3. **प्रारंभिक वर्षों में खेल-आधारित शिक्षा (3-6 वर्ष):** समग्र विकास और विद्यालय जाने की तैयारी में सहयोग।
  4. **स्क्रीन टाइम को कम करने में माता-पिता और समुदाय की भूमिका:** स्वस्थ आदतों और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना।
  5. **सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से आँगनबाड़ी केंद्रों को मजबूत बनाना:** जन भागीदारी और CSR के माध्यम से बुनियादी ढांचे और सेवा वितरण को बढ़ाना।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

इलेक्रमा, 2027

मुख्य बिन्दु:

- **शुभारंभ:** 8 अप्रैल, 2026 को नई दिल्ली में विश्व के सबसे बड़े विद्युत शो, इलेक्रमा, 2027 के 17वें संस्करण का औपचारिक शुभारंभ किया गया।
- **आयोजक:** इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता संघ द्वारा किया जा रहा है।
- पांच दिवसीय यह आयोजन अगले वर्ष 20 फरवरी से 24 फरवरी, 2027 तक ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया जाएगा।
- इस संस्करण में जर्मनी भागीदार देश होगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत, संयुक्त राष्ट्र के चार चुनावों में निर्विरोध निर्वाचित

चर्चा में क्यों?

- भारत, संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक परिषद निकायों के चार चुनावों में निर्विरोध निर्वाचित हुआ।

मुख्य बिन्दु:

- **चुनाव:** 9 अप्रैल, 2026 को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित किए गए।

1. आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार समिति: पूर्व वरिष्ठ राजनयिक प्रीति सरन को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार समिति में व्यक्तिगत क्षमता में पुन: निर्वाचित किया गया है। उन्होंने पिछले वर्ष समिति के सत्र की अध्यक्षता की थी।
2. विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी समिति
3. गैर- सरकारी संगठन समिति
4. कार्यक्रम और समन्वय समिति

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भूगोल एवं भू-विज्ञान

देश का कच्चा इस्पात उत्पादन

चर्चा में क्यों?

- इस्पात मंत्रालय के अनुसार पिछले वित्त वर्ष में इस्पात क्षेत्र ने मजबूत प्रदर्शन किया, जिससे विश्व के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत हुई।

मुख्य बिन्दु:

- **कच्चा इस्पात उत्पादन:** मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश का कच्चा इस्पात उत्पादन 2025-26 के दौरान 10 दशमलव 7 प्रतिशत से अधिक बढ़कर लगभग 168 मिलियन टन हो गया है।
- **इस्पात का निर्यात:** अप्रैल, 2025 से मार्च, 2026 की अवधि में तैयार इस्पात का निर्यात 35 दशमलव 9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6 मिलियन टन से अधिक हो गया।
- **इस्पात का आयात:** इस्पात के आयात में 31 दशमलव 7 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आई।
- वित्त वर्ष 2025-26 में देश की कुल इस्पात उत्पादन क्षमता लगभग 22 करोड़ टन रही। वर्ष 2030 तक इसके 3 करोड़ टन तक पहुंचने का अनुमान है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

आर्थिक घटनाक्रम

स्किल आउटकम फण्ड (SOF)

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (MSDE) ने स्किल आउटकम फण्ड के गठन के लिए एक अभियान शुरू किया है।

मुख्य बिन्दु:

स्किल आउटकम फण्ड

- **उद्देश्य:** कम आय वाली पृष्ठभूमि के युवाओं के लिए आजीविका के आकांक्षात्मक अवसरों के द्वार को खोलना है।
- यह भारत की पहली परिणाम-आधारित पहल कौशल प्रभाव बांड की सफलता पर आधारित है। इसे राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) द्वारा 2021 में प्रारंभ किया गया था।
- यह वित्तपोषण को सत्यापित रोजगार आउटकम से जोड़ता है। इनमें नौकरी पाना और उसे बनाए रखना शामिल है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

खनिज रियायत नियमों में संशोधन

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय खान मंत्रालय ने खनिज (परमाणु और हाइड्रोकार्बन ऊर्जा खनिजों के अलावा) रियायत (दूसरा संशोधन) नियम, 2026 अधिसूचित किए हैं।

मुख्य बिन्दु:

- ये नियम गहरे स्तर के खनिजों के लिए 'समेकित लाइसेंस' और मौजूदा खनन पट्टे में संलग्न क्षेत्रों का समावेश तथा प्रमुख और गौण खनिजों के खनन पट्टे में संबंधित खनिजों को शामिल करने का प्रावधान करते हैं।

प्रमुख (Major) और गौण (Minor) खनिज:

- **वर्गीकरण:** खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 के तहत।
- **लघु खनिज (Minor Minerals):** भवन निर्माण पत्थर, बजरी, साधारण मृदा, साधारण रेत (निर्धारित उद्देश्यों के लिए प्रयुक्त रेत को छोड़कर) तथा कोई अन्य खनिज, जिसे केंद्र सरकार अधिसूचित करे।
- **प्रमुख खनिज (Major minerals):** इसमें लघु खनिजों के अलावा अन्य सभी खनिज शामिल हैं। उदाहरण: कोयला, लोहा, जस्ता, चूना पत्थर आदि।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग

चर्चा में क्यों?

- खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन योजना (PLISFPI) में शामिल उत्पादों की बिक्री में 10.58% की वृद्धि दर्ज की गई।

मुख्य बिन्दु:

- यह डेटा केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (MoFPI) की रिपोर्ट पर आधारित है। MoFPI ने 'खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन-से संबद्ध प्रोत्साहन योजना (PLISFPI) वर्ष 2021-22 में शुरू की थी। रिपोर्ट के अनुसार इस योजना ने शानदार प्रदर्शन किया है।

PLISFPI के बारे में

- **योजना का प्रकार:** केंद्रीय क्षेत्रक योजना
- **क्रियान्वयन मंत्रालय:** केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (MoFPI)
- **योजना अवधि:** 6 वर्ष (2021-22 से 2026-27)

उद्देश्य:

- वैश्विक खाद्य विनिर्माण चैंपियन बनाना,
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय खाद्य-पदार्थ ब्रांडों को बढ़ावा देना,
- गैर-कृषि क्षेत्रक में रोजगार के अवसर सृजित करना,
- किसानों को उनकी उपज के लिए बेहतर मूल्य दिलाना और उनके लिए उच्च आय सुनिश्चित करना।

उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण (ASI) रिपोर्ट के अनुसार:

- खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक में सकल मूल्य वर्धित (GVA) 1.61 लाख करोड़ रुपये (2015-16) से बढ़कर 1.92 लाख करोड़ रुपये (2022-23) हो गया।
- इस क्षेत्रक ने विगत 8 वर्षों में लगभग 5.35% की औसत वार्षिक संवृद्धि दर (AAGR) प्राप्त की है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- इस क्षेत्रक में नियोजित लोगों की संख्या 17.73 लाख (2014-15) से बढ़कर 20.68 लाख (2021-22) हो गई।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक को बढ़ावा देने हेतु सरकारी पहलें:

- पीएम किसान संपदा योजना (PMKSY)
- प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना (PMFME)
- मेगा फूड पार्क्स योजना, आदि।

UTKARSH CIVIL SERVICES

UTKARSH CLASSES उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पश्चिमी समर्पित माल-ढुलाई गलियारा (WDFC)

चर्चा में क्यों?

- रेल मंत्रालय ने पश्चिमी समर्पित माल-ढुलाई गलियारा (WDFC) के निर्माण का कार्य पूरा किया।

मुख्य बिन्दु:

- पश्चिमी समर्पित माल-ढुलाई गलियारा (WDFC) 1,506 किमी लंबी परियोजना है। यह परियोजना उत्तर प्रदेश के दादरी को महाराष्ट्र के जवाहरलाल नेहरू पोर्ट टर्मिनल से जोड़ती है।

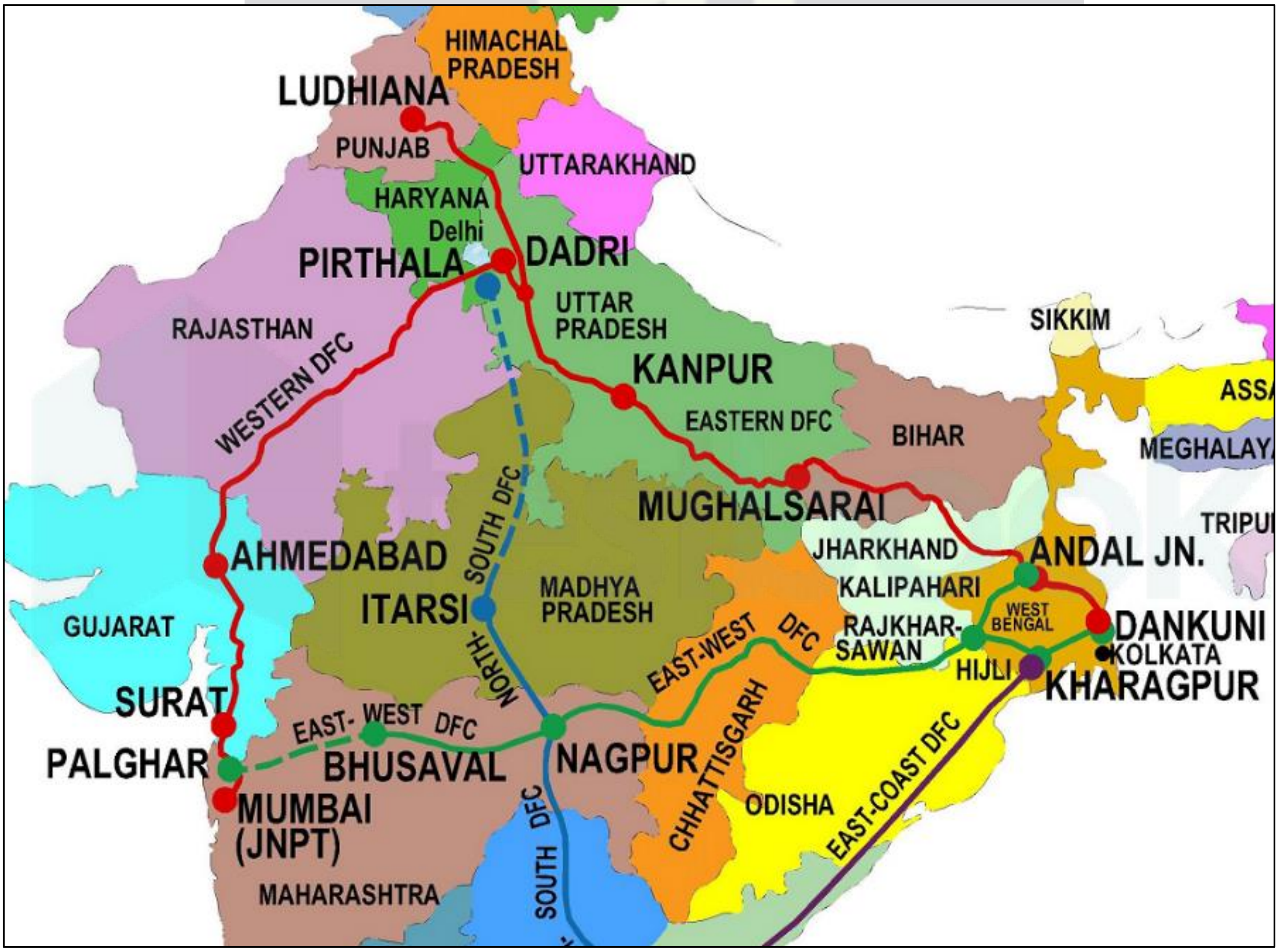

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

समर्पित माल-ढुलाई गलियारा (DFC)

- **शुरुआत:** इस परियोजना की परिकल्पना 2005 में की गई थी। इसका उद्देश्य केवल माल ढुलाई के लिए विशेष रेलवे लाइनों का निर्माण करना है।
- **दो DFCs:** पूर्वी समर्पित माल-ढुलाई गलियारा (EDFC) और पश्चिमी समर्पित माल-ढुलाई गलियारा (WDFC) परियोजनाओं को 2008 में मंजूरी दी गई थी।
- **EDFC:** लुधियाना (पंजाब) से सोननगर (बिहार) तक, जिसकी लंबाई 1337 किलोमीटर है।
- उपर्युक्त दोनों गलियारों के साथ, रेल मंत्रालय ने तीन नए DFC के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट पर कार्य शुरू किया है। वर्तमान में निम्न परियोजनाएँ विचाराधीन हैं।
- **ईस्ट-कोस्ट कॉरिडोर:** खड़गपुर से विजयवाड़ा तक।
- **ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर:** पालघर-भुसावल-नागपुर-खड़गपुर-दनकुनी और राजखरसावां-कालीपहाड़ी-अंडाल।
- **उत्तर-दक्षिण उप-कॉरिडोर:** विजयवाड़ा-नागपुर-इटारसी।
- **DFCCIL:** 2006 में स्थापित 'डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (DFCCIL)' रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक विशेष प्रयोजन वाहन (SPV) है।
- यह DFC के योजना-निर्माण, विकास, वित्तीय संसाधनों को जुटाने, निर्माण, रखरखाव और संचालन का कार्य करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत की वृद्धि दर का अनुमान : IMF

चर्चा में क्यों?

- विश्व बैंक ने मजबूत घरेलू मांग और मुक्त व्यापार समझौतों के कारण मौजूदा वित्तीय वर्ष के लिए भारत में विकास दर का पूर्वानुमान 6.3% से बढ़ाकर 6.6% कर दिया है।

मुख्य बिन्दु:

- मजबूत घरेलू मांग और निर्यात लचीलेपन के कारण भारत में विकास दर वित्त वर्ष 2025 के 7.1% से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 7.6% हो जाने का अनुमान है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2027 के पहली छमाही में उपभोक्ता मामलों को समर्थन देने के लिए GST दरें जारी रहनी चाहिए। वैश्विक ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि से कीमतों पर दबाव बढ़ने और परिवारों की व्यय योग्य आय सीमित होने की आशंका है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC)

चर्चा में क्यों?

- राज्य सभा के सभापति और लोकसभा के अध्यक्ष ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव के नोटिस को खारिज कर दिया।

मुख्य बिन्दु:

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC)

- संविधान का अनुच्छेद 324 यह प्रावधान करता है कि CEC को उसके पद से केवल उन्हीं आधारों और उसी रीति से हटाया जाएगा, जैसे- उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है।
- हटाने का आधार बताने वाला पदच्युति प्रस्ताव संसद के किसी भी सदन में पेश किया जा सकता है।
- अध्यक्ष/ सभापति इस प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार कर सकते हैं। यदि इसे स्वीकार कर लिया जाता है, तो आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया जाता है।
- यदि समिति CEC को सिद्ध कदाचार या अक्षमता का दोषी पाती है, तो दोनों सदनों को विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित करना होगा।
- पदच्युति प्रस्ताव पारित होने के बाद, राष्ट्रपति CEC को पदच्युत करने का आदेश जारी करते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

समाजशास्त्र

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त और विकास निगम (NSTFDC): 25 वाँ स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों?

- 10 अप्रैल, 2026 को नई दिल्ली स्थित विश्व युवा केंद्र में सरकार के जनजातीय मामलों के मंत्रालय के अधीन एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त और विकास निगम (NSTFDC) ने अपना 25वाँ स्थापना दिवस मनाया।

NSTFDC

National Scheduled Tribes Finance and Development Corporation (NSTFDC)

मुख्य बिन्दु:

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त और विकास निगम (NSTFDC):

- **परिचय और स्थापना:** वर्ष 2001 में स्थापित, NSTFDC देशभर में अनुसूचित जनजातियों के आर्थिक विकास के लिए समर्पित एक सर्वोच्च संगठन के रूप में कार्य करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **निगम का प्रबंधन:** निदेशक मंडल द्वारा किया जाता हैं। जिसमें केंद्र सरकार, राज्य चैनलिंग एजेंसियों (SCA), राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (IDBI), भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (TRIFED) और अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व करने वाले तीन प्रतिष्ठित व्यक्तियों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं।
- **मुख्य उद्देश्य:** अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक उत्थान के लिए काम करना, उन्हें बेहतर स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है ताकि वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बन सकें।

NSTFDC द्वारा संचालित प्रमुख योजनाएँ:

1. **आदिवासी महिला सशक्तिकरण योजना (AMSY):** अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए विशेष योजना। इसमें ₹2 लाख तक की परियोजनाओं के लिए 4% वार्षिक की रियायती ब्याज दर पर ऋण दिया जाता है।
2. **आदिवासी शिक्षा ऋण योजना (ASRY):** जनजातीय छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए रियायती दर पर शिक्षा ऋण प्रदान करना।
3. **सूक्ष्म ऋण योजना:** NSTFDC प्रति सदस्य ₹50,000/- तक और प्रति स्वयं समूह अधिकतम ₹5.00 लाख तक का ऋण प्रदान करता है।
4. **आदिवासी वनवासी सशक्तिकरण योजना:** भारत सरकार ने अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वनवासी (वन अधिकार मान्यता) अधिनियम, 2006 लागू किया है। इस अधिनियम के तहत्, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पारंपरिक वनवासियों को निवास के लिए और/या स्वयं की खेती के लिए या आजीविका उत्पन्न करने के लिए किसी अन्य पारंपरिक गतिविधि के लिए वन भूमि रखने का अधिकार दिया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

योजनाएँ एवं नीतियाँ

पोषक तत्त्व आधारित सब्सिडी (NBS) योजना

चर्चा में क्यों?

- मंत्रिमंडल ने खरीफ सीजन 2026 के लिए फॉस्फेटिक और पोटाश (P&K) उर्वरकों हेतु पोषक तत्त्व आधारित सब्सिडी (NBS) दरों में 12% की वृद्धि को मंजूरी दी है।

मुख्य बिन्दु:

NBS योजना

- **प्रारंभ:** 2010 में केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्रालय द्वारा।
- **उद्देश्य:** उर्वरकों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देना और सरकार पर सब्सिडी के बोझ को कम करना।
- **विशेषताएँ:** सब्सिडी पोषक तत्त्व की मात्रा से जुड़ी होती है। इसमें मुख्य रूप से नाइट्रोजन (N), फास्फोरस (P), पोटेशियम (K), और सल्फर (S) शामिल हैं।
- यह P&K उर्वरकों के 28 ग्रेड (DAP, यूरिया-SSP सहित) को शामिल करती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

प्रोजेक्ट मेवेन (Project Maven)

चर्चा में क्यों?

- प्रोजेक्ट मेवेन नामक AI प्रोग्राम अब ईरान के खिलाफ अमेरिकी हमलों का केंद्र बन गया है।

मुख्य बिन्दु:

प्रोजेक्ट मेवेन:

- **उद्देश्य:** ड्रोन से प्राप्त अत्यधिक तस्वीरों में पिंडों और पैटर्न की पहचान को स्वचालित करना, जिससे इंसानों द्वारा विश्लेषण का बोझ कम हो।
- इसमें मशीन लर्निंग और कंप्यूटर विज़न का उपयोग किया जाता है, जिससे वास्तविक समय में लक्षित ऑब्जेक्ट्स, उनकी गतिविधियों और गति की पहचान की जा सके।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

OPEC+

चर्चा में क्यों?

- अमेरिका-ईरान-इजरायल संघर्ष के बीच OPEC+ ने तेल उत्पादन कोटा बढ़ा दिया है।

मुख्य बिन्दु:

OPEC और OPEC+ संगठन:

- 1960 में, पांच देशों—इराक, ईरान, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला ने एक स्थायी अंतर-सरकारी संगठन के रूप में OPEC की स्थापना की थी।
    - इसका उद्देश्य सदस्य देशों की पेट्रोलियम नीतियों को समन्वित करना और तेल के बाजार मूल्य में स्थिरीकरण को सुनिश्चित करना है।
    - OPEC के अन्य सदस्यों में शामिल हैं: अल्जीरिया, कांगो, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, लीबिया, नाइजीरिया और संयुक्त अरब अमीरात।
- 2016 में, OPEC 10 अन्य तेल उत्पादकों को शामिल करने के बाद OPEC+ बना।
    - OPEC देशों के अलावा इसमें रूस, अजरबैजान, बहरीन, ब्रुनेई, कजाकिस्तान, मैक्सिको, मलेशिया, ओमान, दक्षिण सूडान और सूडान शामिल हैं।
- OPEC+ देश विश्व में लगभग 60% तेल की आपूर्ति करते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

सुंदरबन

चर्चा में क्यों?

- एक नए अध्ययन के अनुसार चक्रवात, जलवायु परिवर्तन और मानव-जनित दबावों के कारण सुंदरबन "क्रिटिकल स्लोइंग डाउन" की प्रक्रिया से गुजर रहा है।

मुख्य बिन्दु:

- क्रिटिकल स्लोइंग डाउन एक ऐसी परिघटना है जहाँ पारितंत्रों को पुनर्बहाली में अधिक समय लगता है। इसके परिणामस्वरूप पारितंत्र समय के साथ और अधिक अस्थिर हो जाते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

सुंदरबन

- यह विश्व का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन क्षेत्र है।
- **अवस्थिति:** यह बंगाल की खाड़ी में गंगा, ब्रह्मपुत्र और मेघना नदियों के डेल्टा पर स्थित है। इसका विस्तार भारत (40%) और बांग्लादेश (60%) में है।
- **संरक्षण:** यह यूनेस्को-विश्व धरोहर स्थल, यूनेस्को मानव और जीवमंडल कार्यक्रम के तहत बायोस्फीयर रिजर्व और रामसर स्थल है।
- **बहने वाली मुख्य नदियाँ:** मुरीगंगा, रायमंगल, हरिभंगा, सप्तमुखी, ठकुरान, मातला आदि।
- **वनस्पति:** सुंदरी जैसे लवण-सहिष्णु पौधे।

UTKARSH CIVIL SERVICES

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFCs)

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने सभी राज्य और केंद्रीय प्राधिकरणों को निर्देश दिया है कि वे 31 दिसंबर, 2027 के बाद नए या अतिरिक्त HFC उत्पादन के लिए पर्यावरणीय मंजूरी देना बंद कर दें।

मुख्य बिन्दु:

- यह निर्देश किगाली संशोधन के तहत भारत की प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है।

किगाली संशोधन (2016)

- इसके तहत, मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के पक्षकार देश HFCs के उत्पादन और खपत को चरणबद्ध रूप से कम करने पर सहमत हुए थे।
- ध्यातव्य है कि HFCs को ओजोन-क्षयकारी पदार्थों (ODS) के ऐसे विकल्प के रूप में पेश किया गया था जो ओजोन को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं।
- हालांकि HFCs ओजोन परत को नुकसान नहीं पहुँचाते, लेकिन इनकी वैश्विक तापवृद्धि क्षमता बहुत अधिक (CO_2 की तुलना में 12 से 14,000 गुणा) है।

प्रमुख लक्ष्य:

- पक्षकार देश 2040 के दशक के अंत तक HFCs के उपयोग को 80-85% तक कम करने पर सहमत हुए।
- भारत वर्ष 2032 के बाद से 4 चरणों में HFCs के उपयोग में चरणबद्ध रूप से कमी करेगा: 2032 में 10%, 2037 में 20%, 2042 में 30% और 2047 में 85% की संचयी कमी।

मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल (1987)

- यह ओजोन परत के संरक्षण के लिए ओजोन-क्षयकारी पदार्थों (ODS) को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने हेतु एक अंतरराष्ट्रीय संधि है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- इसे वियना अभिसमय के तहत लागू किया गया। वियना अभिसमय को 1985 में अपनाया गया था।
- **शामिल पदार्थ:** यह प्रोटोकॉल क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFCs), हाइड्रोक्लोरोफ्लोरोकार्बन (HCFCs) और हैलोन जैसे ओजोन-क्षयकारी पदार्थों (ODS) को लक्षित करता है।
- 1992 तक, इसे सार्वभौमिक रूप से अनुमोदित कर दिया गया था, अर्थात संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देश इस पर हस्ताक्षर कर चुके थे। इसमें 'समान लेकिन विभेदित उत्तरदायित्वों' के सिद्धांत को लागू किया गया।

UTKARSH CIVIL SERVICES

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

भारत का सौर ऊर्जा उत्पादन

चर्चा में क्यों?

- भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 45 गीगावाट की अब तक की सबसे अधिक वार्षिक सौर ऊर्जा क्षमता वृद्धि दर्ज की है।

मुख्य बिन्दु:

- **वृद्धि:** देश ने मार्च, 2026 में 6.65 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता दर्ज की है, जो एक महीने में अब तक की सबसे अधिक सौर ऊर्जा स्थापना है।
- **कुल सौर ऊर्जा की उत्पादन क्षमता:** 150 गीगावाट
- **वार्षिक सौर क्षमता वृद्धि:** 45 गीगावाट, जो वर्ष 2024-25 के लगभग 23 गीगावाट के पिछले रिकॉर्ड से लगभग दोगुनी है।
- **सौर ऊर्जा में शीर्ष योगदानकर्ता राज्य:** राजस्थान, गुजरात और तमिलनाडु।
- देश में अब तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से कुल 283 गीगावाट से अधिक का उत्पादन किया जा चुका हैं, जो नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन के मामले में भारत वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

पार्टनरशिप फॉर हेल्दी सिटीज (PHC) शिखर सम्मेलन, 2026

चर्चा में क्यों?

- पार्टनरशिप फॉर हेल्दी सिटीज (PHC) शिखर सम्मेलन, 2026 में शहरों में जीवन रक्षक कार्य-योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

मुख्य बिन्दु:

- पार्टनरशिप फॉर हेल्दी सिटीज (PHC) शिखर सम्मेलन रियो डी जेनेरियो में आयोजित हुआ।
- पार्टनरशिप फॉर हेल्दी सिटीज विश्व के 74 शहरों का एक वैश्विक नेटवर्क है। यह नेटवर्क गैर-संचारी रोगों (NCDs) और दुर्घटना-जनित चोटों को रोकने की दिशा में कार्य करता है।
- भारतीय शहर मुंबई, अहमदाबाद और बेंगलुरु PHC नेटवर्क का हिस्सा हैं।
- साझेदारी के तहत, प्रत्येक शहर गैर-संचारी रोगों और दुर्घटना-जनित चोटों की रोकथाम के लिए सिद्ध 15 उपायों में से एक का चयन करता है।

गैर-संचारी रोग (NCDs)

- गैर-संचारी रोग (चिरकालिक बीमारियाँ) वे दीर्घकालिक विकार हैं जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलते हैं।

जोखिम कारक:

- **व्यवहार संबंधी आदतें:** तंबाकू का उपयोग; अतिरिक्त नमक, चीनी और वसा सहित अस्वास्थ्यकर आहार का सेवन, उच्च मात्रा में शराब का सेवन और कम शारीरिक गतिविधियाँ।
- **मेटाबॉलिक (चयापचय):** उच्च रक्तचाप, मोटापा, मधुमेह, उच्च कोलेस्ट्रॉल।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **पर्यावरणीय कारक:** वायु प्रदूषण, रसायनों के प्रभाव में आना, ध्वनि प्रदूषण।
- विश्व भर में होने वाली सभी मौतों में से 80% से अधिक के लिए NCDs और दुर्घटना जनित चोट जिम्मेदार हैं।
- इनमे से अधिकांश मौतों के लिए जिम्मेदार चार मुख्य गैर-संचारी रोग हैं—हृदय संबंधी रोग, कैंसर, दीर्घकालिक श्वसन रोग, और मधुमेह।
- NCDs की वजह से होने वाली 80% से अधिक असामयिक मौतें निम्न और मध्यम आय वाले देशों में दर्ज की जाती हैं।

गैर-संचारी रोगों से निपटने के लिए भारत की पहलें

- गैर-संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम
- शुगर बोर्ड
- **स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा:** ईट राइट इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट और योग।
- तृतीयक कैंसर-देखभाल केंद्र सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण योजना

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

UTKARSH CLASSES CIVIL SERVICES

न्यूरोमॉर्फिक सेंसर/नमी संवेदनशील सेंसर

चर्चा में क्यों?

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) के एक स्वायत्त संस्थान, जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (JNCASR) के शोधकर्ताओं ने 1D सुपरमॉलिक्यूलर नैनोफाइबर पर आधारित एक आर्द्रता-संवेदनशील न्यूरोमॉर्फिक सेंसर विकसित किया है, जो एक ही उपकरण प्लेटफॉर्म में संवेदन और सिनैप्स - जैसी सूचना प्रोसेसिंग को एकीकृत करने में सक्षम है।

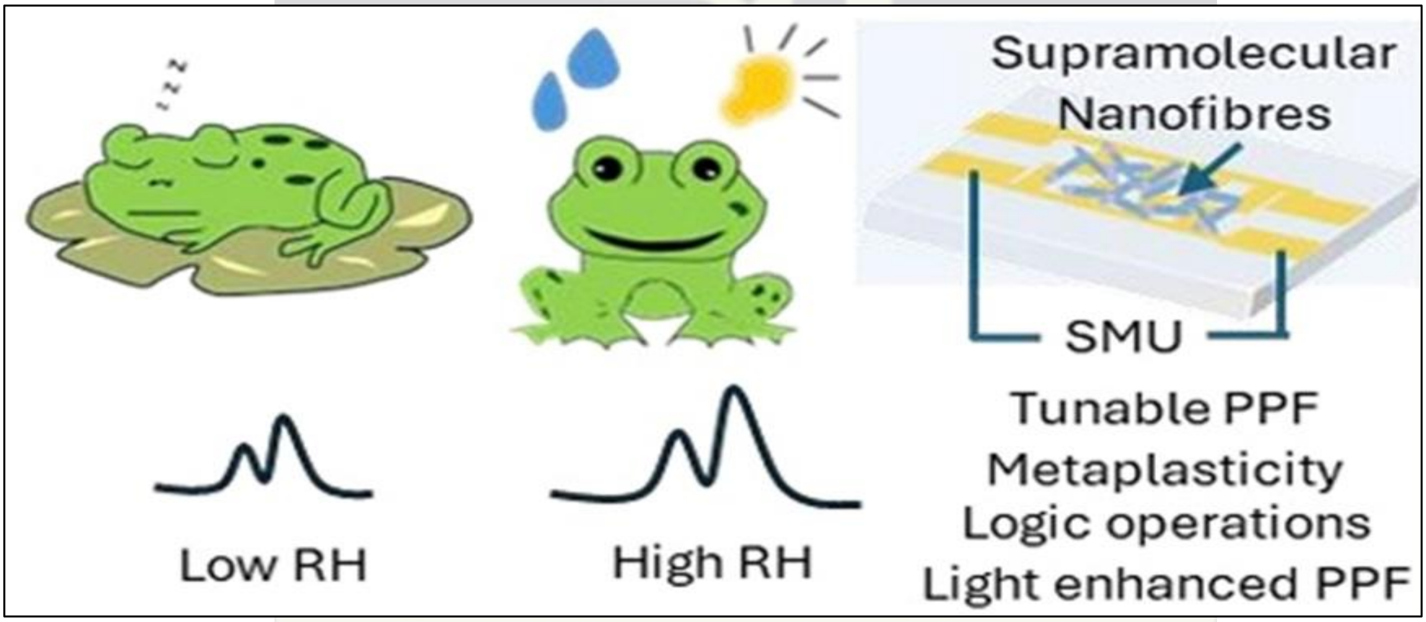

मुख्य बिन्दु:

- **प्रकाशन:** जर्नल ऑफ मैटेरियल्स केमिस्ट्री सी में प्रकाशित किया हुआ।
- **परिचय:** एक नवीन न्यूरोमॉर्फिक सेंसर, जो पर्यावरणीय परिवर्तनों, मुख्य रूप से आर्द्रता, के प्रति मस्तिष्क की प्रतिक्रिया की नकल करता है, और जैविक प्रणालियों के समान एक ही उपकरण में जानकारी को प्रोसेसिंग और संग्रहीत करने की क्षमता रखता है, पारंपरिक इलेक्ट्रॉनिक्स की तुलना में ऊर्जा खपत और डेटा-प्रोसेसिंग आवश्यकताओं को काफी कम कर सकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **न्यूरोमॉर्फिक उपकरण:** विशेष रूप से सेंसर, एक ही उपकरण में संवेदन, स्मृति और प्रोसेसिंग को एकीकृत करके जैविक तंत्रिका तंत्र की कार्यप्रणाली की नकल करने का लक्ष्य रखते हैं।
- **पारंपरिक न्यूरोमॉर्फिक उपकरण की कमियाँ:** अधिकांश न्यूरोमॉर्फिक सेंसर अभी भी प्रोसेसिंग के लिए अलग-अलग संवेदन इकाइयों और मेमरिस्टिव तत्त्वों पर निर्भर करते हैं, जिससे अतिरिक्त ऊर्जा खपत और डेटा स्थानांतरण की लागत बढ़ जाती है।
- **न्यूरोमॉर्फिक सेंसर निर्माण की प्रेरणा:** इस न्यूरोमॉर्फिक सेंसर के विकास की प्रेरणा उभयचर मेंढक, विशेष रूप से क्रिकेट मेंढकों से मिली है, जिनका सिनैप्टिक व्यवहार अत्यधिक नमी के प्रति संवेदनशील होता है और दिन के प्रकाश से प्रभावित होता है।
- **विकास:** तेजस्विनी एस. राव और सुकन्या बरुआ ने डोनर और एसेप्टर अणुओं के आवेश स्थानांतरण संकुल से सुपरमॉलिक्यूलर नैनोफाइबर विकसित किए।
- जल माध्यम से प्राप्त इन नैनोफाइबरों को कांच के सब्सट्रेट पर इंटर-डिजिटेटेड स्वर्ण इलेक्ट्रोड पर बूंद-बूंद करके सक्रिय उपकरण परत बनाई गई। इसके बाद उपकरण को एक आर्द्रता-नियंत्रित कक्ष में रखा गया, जहां आर्द्र नाइट्रोजन प्रवाह का उपयोग करके सापेक्ष आर्द्रता को नियंत्रित किया गया।
- **विशेषता:** पारंपरिक न्यूरोमॉर्फिक उपकरण के विपरीत जैविक संवेदी तंत्र संवेदन और सिग्नल प्रोसेसिंग एक साथ करते हैं, जिससे वे अत्यधिक ऊर्जा कुशल और प्रभावी होते हैं। इसलिए, एक ही प्लेटफॉर्म पर संवेदन, स्मृति और प्रोसेसिंग को एकीकृत करने वाले उपकरणों का विकास कुशल और अनुकूलनीय प्रणालियों के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

महत्त्व:

1. यह पहली बार है जब किसी न्यूरोमॉर्फिक उपकरण में सिनैप्टिक व्यवहार की नकल करने के लिए प्राथमिक उत्तेजना के रूप में आर्द्रता का उपयोग किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

2. यह तकनीक, भविष्य में, ऐसे स्मार्ट पर्यावरण निगरानी प्रणालियों को सक्षम बना सकती है जो आर्द्रता और अन्य पर्यावरणीय संकेतों के अनुसार अनुकूल रूप से प्रतिक्रिया करती हैं।
3. यह उन्नत स्वास्थ्य देखभाल उपकरणों, वियरेवल सेंसरों और एआई और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IOT) में उपयोग की जाने वाली कुशल एज-कंप्यूटिंग तकनीकों में भी योगदान दे सकती है।
4. पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और ऊर्जा-कुशल कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्मों को सक्षम बनाकर, यह कार्य अगली पीढ़ी की सतत् इलेक्ट्रॉनिक प्रौद्योगिकियों के विकास में सहयोग प्रदान करता है।

Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

तापमान-नियंत्रित नैनो-सामग्रियाँ

चर्चा में क्यों?

- अनुसंधानकर्ताओं ने यह समझने में महत्त्वपूर्ण सफलता हासिल की है कि छोटे कार्बनिक अणुओं को उन्नत कार्यात्मक सामग्री बनाने के लिए कैसे निर्देशित किया जा सकता है।
- इससे भविष्य के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, अनुकूलनीय ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों, प्रतिक्रियाशील सामग्रियों और जैव-इलेक्ट्रॉनिक इंटरफेस के विकास में मदद मिल सकती है।

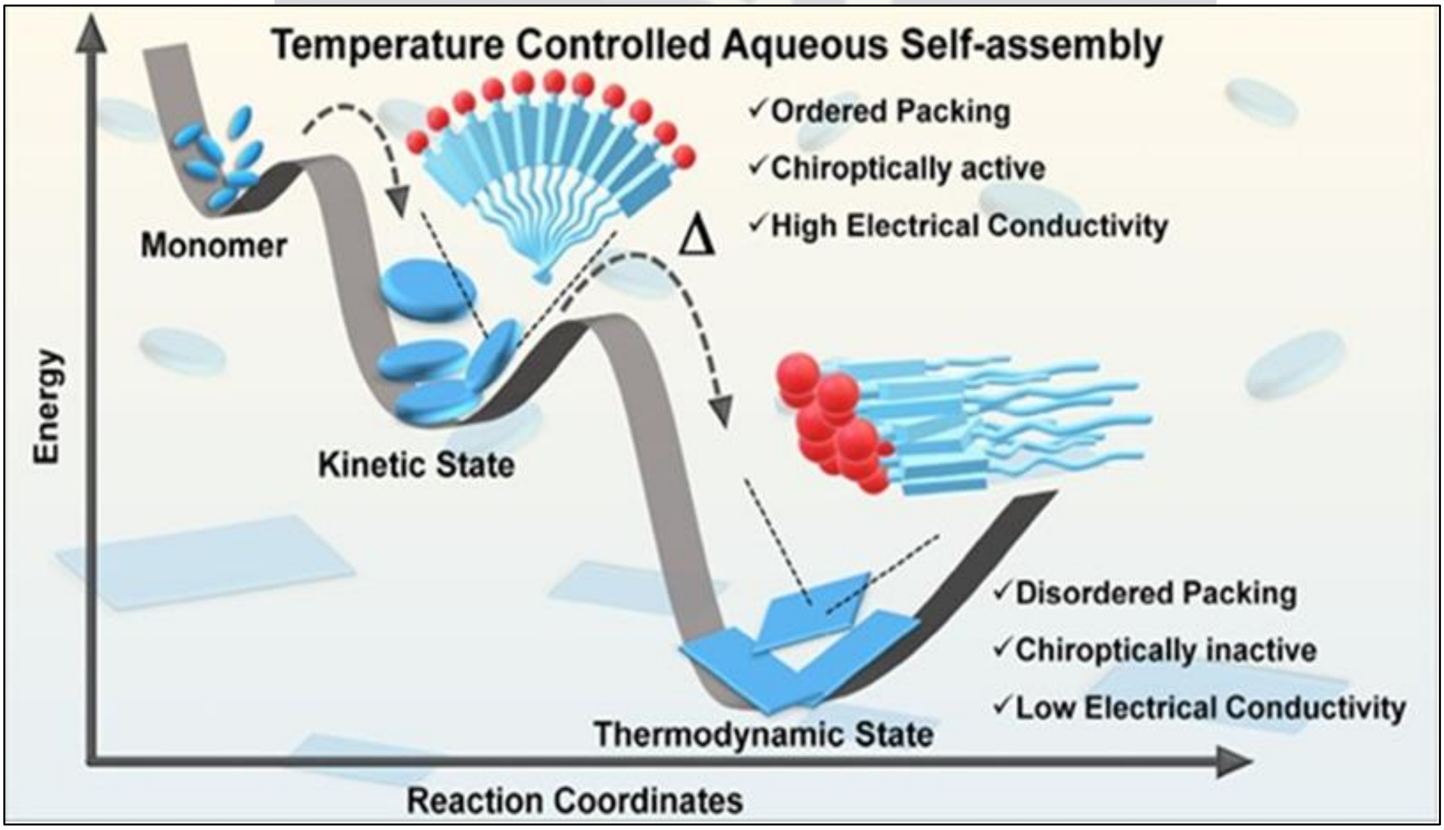

मुख्य बिन्दु:

- **प्रकाशन:** हाल ही में, अमेरिकन केमिकल सोसाइटी द्वारा प्रकाशित एसीएस एप्लाइड नैनो मैटेरियल्स में प्रकाशित इस अध्ययन में बताया गया है कि नैनोस्केल आण्विक व्यवहार को समझना अगली पीढ़ी के कार्यात्मक पदार्थों के डिजाइन को कैसे प्रभावित कर सकता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **अध्ययनकर्त्ता संस्थान:** बेंगलुरु स्थित सेंटर फॉर नैनो एंड सॉफ्ट मैटर साइंसेज (CENS) की टीम (डॉ. गौतम घोष के नेतृत्व में, सौरव मोयरा और तारक नाथ दास) द्वारा किया गया।
- **सहयोग:** जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च (JNCASR) के सहयोग से।
- **अध्ययन:** नेफथलीन डाइमाइड (NDI) का अध्ययन किया गया।

नेफथलीन डाइमाइड (NDI):

- यह एक उभयपरक अणु है जिसमें सुपरमॉलिक्यूलर सेल्फ-असेंबली नामक प्रक्रिया के माध्यम से पानी में खुद को व्यवस्थित करने की अनूठी क्षमता होती है।
- उभयपरक अणु असंयोजक अंतःक्रियाओं के माध्यम से एक साथ आते हैं और सुस्पष्ट नैनो-संरचनाएँ बनाते हैं।
- नियंत्रित की जा सकने वाली ऐसी संरचनाएँ इलेक्ट्रॉनिक्स, फोटोनिक्स और जैव-चिकित्सा उपकरणों में उभरते इस्तेमाल के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

- अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि कमरे के तापमान पर, ये अणु स्वतः ही छोटे गोलाकार नैनो-संरचनाओं में एकत्रित हो जाते हैं जिन्हें नैनोडिस्क कहा जाता है।
- ये नैनोडिस्क एक ऐसा प्रकाशीय गुण प्रदर्शित करते हैं जो उन्हें ध्रुवीकृत प्रकाश के साथ एक विशिष्ट तरीके (काइरोप्टिकल गतिविधि) से परस्पर क्रिया करने में सक्षम बनाता है।
- गर्म करने पर, नैनोडिस्क की संरचना में बदलाव होता है और वे दो-आयामी नैनोशीट में परिवर्तित हो जाते हैं, जिससे उनकी काइरोऑप्टिकल सक्रियता समाप्त हो जाती है।
- इससे पता चलता है कि केवल तापमान से ही पदार्थ को विभिन्न संरचनात्मक और प्रकाशीय अवस्थाओं के बीच परिवर्तित किया जा सकता है।

निष्कर्ष:

- टीम ने यह भी पाया कि नैनोडिस्क में विद्युत चालकता काफी अधिक थी, जो नैनोशीट में परिवर्तित होने पर लगभग सात गुना कम हो गई।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- पदार्थ के विद्युत व्यवहार को उसके स्व-संयोजन पथ को नियंत्रित करके सटीक रूप से समायोजित किया जा सकता है। छोटे कार्बनिक अणुओं में इस प्रकार की समायोजन क्षमता दुर्लभ है।
- **महत्त्व:** आण्विक संयोजन को नियंत्रित करने की एक सरल लेकिन प्रभावी विधि का प्रदर्शन करके, यह अनुसंधान सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक्स और स्मार्ट प्रौद्योगिकियों के लिए उन्नत पदार्थों के डिजाइन के नए रास्ते खोलता है।

UTKARSH CIVIL SERVICES

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट

भारत में भूमि असमानता पर रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब ने भारत में भूमि असमानता पर रिपोर्ट जारी की।

मुख्य बिन्दु:

- **"भारत में भूमि असमानता: प्रकृति, इतिहास और बाजार"** शीर्षक से जारी इस रिपोर्ट में भारत के दस प्रमुख राज्यों का डेटा शामिल है। इन दस राज्यों में भारत की 75% ग्रामीण आबादी बसती है।
- **अत्यधिक संपत्ति संकेंद्रण:** शीर्ष 10% ग्रामीण परिवारों के पास कुल भूमि-क्षेत्र का 44% हिस्सा है।
- **व्यापक भूमिहीनता:** भारत के लगभग 46% ग्रामीण परिवार पूरी तरह से भूमिहीन हैं।
- **ग्राम-स्तरीय भूमि गिनी गुणांक:** यह 71.1 के अत्यधिक उच्च स्तर पर है।
- **बड़े भूस्वामी:** एक औसत गांव में सबसे बड़े भूस्वामी के नियंत्रण में गांव की लगभग 12.4% भूमि है।

क्षेत्रीय आधार पर असमानताएँ:

- **सर्वाधिक असमानता:** केरल में (भूमि गिनी गुणांक 90)।
- **न्यूनतम असमानता:** कर्नाटक और राजस्थान में (भूमि गिनी गुणांक 65 से नीचे)।
- **भूमिहीनता की दर:** पंजाब में सर्वाधिक (73%)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

बॉरोअर्स टू बिल्डर्स: वीमेन एंड इंडियाज इवॉल्विंग क्रेडिट मार्केट रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- नीति आयोग ने यह रिपोर्ट जारी की है, जिसमें औपचारिक स्रोतों वाली ऋण प्रणालियों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर प्रकाश डाला गया है।

मुख्य बिन्दु:

- **ऋण वितरण में बढ़ती हिस्सेदारी:** महिलाओं के पास ₹76 लाख करोड़ का ऋण है, जो कुल क्रेडिट वितरण का 26% है।
- **क्रेडिट विस्तार:** 2017 से क्रेडिट की पहुँच 4.8 गुना बढ़ी है। औपचारिक ऋण प्रणाली से ऋण लेने वाली ऋण के लिए पात्र महिलाओं का अनुपात बढ़कर 36% हो गया।
- **उधार लेने के स्वरूप में बदलाव:** ऋण लेने की प्रवृत्ति अब सूक्ष्म वित्त से हटकर खुदरा और व्यावसायिक कार्यों के लिए ऋणों की ओर स्थानांतरित हो रही है।
- **क्षेत्रीय प्रसार:** उत्तर भारतीय राज्यों जैसे बिहार और उत्तर प्रदेश में इस ऋण वृद्धि का विस्तार हो रहा है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR